A News Letter of Sanskriti University

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

# प्रतिबिम्ब

Volume:- 1 — November 2020

# अपने लक्ष्य को धर्म मानकर उसके प्रति निष्ठावान हों

## 'संस्कृति ओरियंटेशन प्रोग्राम आरंभ-2020'

पद्मश्री प्रोफेसर दिनेश सिंह

-डा. देवेंद्र नारायण

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के 'ओरियंटेश प्रोग्राम-आरंभ-2020' के अंतिम दिन दिल्ली विवि के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको अपना गोल निर्धारित कर उसको ही अपना धर्म मानकर उसके प्रति निष्ठा रखनी होगी। ऐसा करने से आप की सफलता निश्चित है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल को विपत्ति काल न समझें, इसने हमको बहुत कुछ करने का मौका दिया है। प्रोफेसर दिनेश ने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को ब्लैकबोर्ड से बांधकर रखा गया, जबकि इसे व्यवहारिकता से जोड़ना चाहिए था। नई शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवहारिक बनाया गया है। उन्होंने कहा आप कोई भी विषय में अध्ययन कर रहे हैं, आपको सभी विषयों से तालमेल बनाकर चलना होगा। उन्होंने संस्कृति विवि द्वारा विद्यार्थियों के निरंतर संपूर्ण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि विवि प्रशासन विद्यार्थियों की शिक्षा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप दे रहा है। प्रोफेसर दुबे ने महात्मा गांधी, रामानुजम, अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर के उदाहरण देते हुए कहा कि इन लोगों ने अपने ध्येय को ही अपना धर्म बना लिया और उसके साथ निष्ठा से जुड़ गए। इसीलिए ये सफल हुए। जब आप अपने ध्येय के प्रति निष्ठावान होते हैं तो आध्यात्मिक होते हैं और सिद्धियां हासिल करते हैं। विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता द्वारा पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह सच है कि हमारे विद्यार्थियों और अभिभावकों पर अत्यधिक प्रेशर रहता है। विद्यार्थी अत्यधिक प्रेशर में कभी-कभी गलत कदम भी उठा लेते हैं। उन्होंने कहा इसका बहुत बड़ा कारण हमारे यहां भेड़ चाल है।

उन्होंने दिल्ली के उपहार टाकीज में हुए हादसे का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें आग से इतने नहीं मारे गए जितने भगदड़ के कारण मारे गए। यह भगदड़ एक ही दरवाजे से बाहर निकलने के लिए हुई भेड़चाल के कारण हुई। हमारे यहां भी यही है, साथी बच्चे के देख स्वयं भी उसी कोर्स में पढ़ाई करना या फिर सब इंजीनियर बन रहे हैं तो हमें भी बनना है जैसी भेड़चाल से बचना होगा।

वेबिनार में भाग ले रहे अनेक विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए प्रोफेसर दुबे ने कहा कि धैर्य के साथ ठहरना और सोचना जानना चाहिए। फिर निर्णय लेकर आगे बढ़ना चाहिए। अपने अंदर की आवाज को सुनिए वह क्या कहती है, जिस दिन इस अंतर्ध्वनि को सुनना सीख जाएंगे आपको अपनी दिशा मिल जाएगी और सफल हो जाएंगे। विशेषज्ञ वक्ता टोक्यो युनिवर्सिटी आफ साइंस के मैनेजर डा. देवेंद्र नारायण ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ध्येय के प्रति स्पष्ट हों। उन्होंने हालीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता अर्नाल्ड श्वार्जनेगर का उदाहरण देते हुए कहा कि वे सफल हुए क्यों कि वे अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट थे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दो बातें मेरी समझ से बहुत महत्वपूर्ण हैं, नया करने की सोच वाले (इनोवेटिव), वैश्विक सोच वाले बनें। उन्होंने कहा आप हमेशा कुछ नया करने की सोचें। अपनी कार्यशैली में बदलाव के लिए लचीलापन रखें। ऐसा कुछ करने की सोचें जो दूसरे ने नहीं सोचा हो। भारत में जुगाड़ करने वाले सच्चे अर्थों में वैज्ञानिक हैं। ऐसे कई अविष्कार हैं जो जुगाड़ से ही जन्मे हैं। इसके लिए आपको कोई बड़ी या बहुत सारी डिग्रियों की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने बताया कि वे लगभग 40 साल से जापान में हैं। यहां के लोग भारत और भारतीयों के प्रति बहुत प्रेम रखते हैं। यहां भारतीयों के लिए रोजगार के भी बहुत अवसर हैं, बशर्ते वे जापानी भाषा जानते हों। उन्होंने कहा कि जापान में लोग अपने काम के प्रति बहुत गंभीर हैं।

यह हमारे सीखने की चीज है। वेबिनार के प्रारंभ में संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस दुबे ने अतिथि वक्ताओं का परिचय दिया और स्वागत किया। वेबिनार का संचालन संस्कृति विवि की फैकल्टी नम्रता रावत ने किया। अंत में स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ★ ★ ★

# संस्कृति विश्वविद्यालय ने शिक्षा और रोजगार के हर क्षेत्र स्थापित किया कीर्तिमान

## सारी पढ़ाई आनलाइन, प्लेसमेंट भी हाथों-हाथ

मथुरा। मथुरा की छाता तहसील में स्थित संस्कृति विश्वविद्यालय ने कोरोना काल की चुनौतियों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा के एक आधुनिकतम और तेज गति से शिक्षण के नए तरीकों का इस्तेमाल करने वाले केंद्र के रूप में अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

लाकडाउन के दौरान सुविधाजनक एप का इस्तेमाल कर विवि ने आनलाइन शिक्षा पूरी कराई और साथ ही समय से आनलाइन परीक्षाएं कराकर सभी पाठ्यक्रमों के परिणाम घोषित कराए।

विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल ने इसी विपरीत समय में विवि के 92 प्रतिशत विद्यार्थियों को नौकरियां उपलब्ध कराई। कुछ विभागों में तो शतप्रतिशत प्लेसमेंट हुए। उच्च शिक्षा के किसी केंद्र के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

परिस्थितियां कैसी भी रही हों विवि में न तो शोध का कार्य रुका न इनोवेशन का काम। यही वजह थी कि विवि ने गत शिक्षण सत्र में एक कीर्तिमान बनाते हुए 150 पेटेंट और एक हजार से अधिक शोधपत्र दाखिल किए। एक निजी विश्वविद्यालय के रूप में शिक्षा के क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है।

विवि प्रशासन ने भविष्य को द्वष्टिगत रखते हुए न केवल शिक्षण के तरीकों में अत्याधुनिक बदलाव किए वरन पाठ्यक्रमों को भी सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत आमूलचूल परिवर्तन किए।

अब यहां सभी पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनका अध्ययन कर विद्यार्थी अपना कौशल विकास कर रहे हैं और रोजगार के अवसर भी साथ ही साथ मिल रहे हैं।

यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सफल उद्यमी, योग्य प्रोफेशनल और देश के सुसंस्कृत नागरिक के रूप में उभर रहे हैं। संस्कृति विवि में अध्ययन के बाद विद्यार्थियों में होने वाले बदलाव को स्वयं विद्यार्थी और उनके अभिभावक स्पष्ट रूप से अनुभव करते हैं।

उच्च शिक्षा के लिए अपग्रेड प्लेटफार्म विवि ने विद्यार्थियों की आनलाइन शिक्षा को सुद्वढ़ बनाने के लिए अपग्रेड कंपनी से करार किया है।

इस स्वदेशी उन्नत प्लेटफार्म के द्वारा विद्यार्थियों को आनलाइन क्लासेज तो मिलेंगी हीं साथ ही वे अपने पाठ्यक्रम से जुड़े लेक्चर डाउनलोड कर अपनी सुविधा के अनुसार सुन सकेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप विशेषज्ञों की वेबिनार, संबोधन से अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप अपना कौशल विकास कर सकते हैं।

प्लेसमेंट के लिए आनलाइन इंटरव्यू विवि प्रशासन ने अगले सत्र में विभिन्न आनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में रोजगार अवसर प्रदान करने के लिए आनलाइन साक्षात्कार, प्रेजेंटेशन की व्यवस्था की है।

हर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार के लिए साक्षात्कार का मौका मिले इसके लिए विवि ने पुख्ता योजना बनाई है।

स्वयं बनें उद्यमी एमएसएमई ने संस्कृति विश्वविद्यालय में इंक्युबेशन सेंटर खोला है। आसपास के क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालयों में संस्कृति विवि अकेला उच्च शिक्षा का ऐसा शिक्षा के केंद्र है जहां केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त यह सेंटर है।

विवि प्रशासन की सोच है कि विद्यार्थी स्वयं रोजगार देने वाले बनें।

इस केंद्र द्वारा विद्यार्थियों की योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा सकेगा। वे अपना रोजगार शुरू करने के लिए हर प्रकार की सुविधा और सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

★ ★ ★

# विद्यार्थी अपना बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें

## संस्कृति 'ओरियंटेशन प्रोग्राम-आरंभ 2020'

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के 'ओरियंटेशन प्रोग्राम-आरंभ 2020' दूसरे दिन विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जहां एक ओर कोविड-19 के दौरान शिक्षण के तरीकों में विश्व स्तर पर हुए चुनौतीपूर्ण परिवर्तनों से परिचित कराया वहीं सफलता हासिल करने के गुरुमंत्र भी दिए।

विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान श्रंखला का दूसरा दिन भी कई मायनों में बहुत उपयोगी साबित हुआ है।

साथ ही शिक्षकों को भी अनेक नई और उपयोगी जानकारियां हासिल हुई। ब्राजील की फेडरल युनिवर्सिटी आफ पर्नबको की प्रोफेसर क्रिस्टीन गुसमाओ ने विद्यार्थियों को बताया कि कोविड-19 के चलते शिक्षण कार्य में चुनौतियां तो बहुत आई लेकिन इससे शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को उपलब्धियां भी बहुत हासिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि आनलान शिक्षा के विकल्प का सभी जगह बहुत प्रभावकारी तरीके से इस्तेमाल किया गया।

हमने अपने विश्वविद्यालय अनेक ऐसे प्रोजेक्ट बनाए जिनसे बच्चों को बहुत कुछ नया सीखने, जानने और रिसर्च करने का मौका मिला।

सबसे अच्छा यह हुआ कि बच्चे स्नातक के हों या परास्नातक सभी ने इन प्रोजेक्ट में बड़ी रुचि दिखाई। कुछ प्रोजेक्ट हमने ऐसे भी बनाए जिनसे शिक्षक, विद्यार्थी और

ब्राजील की फेडरल युनिवर्सिटी आफ पर्नबको की प्रोफेसर क्रिस्टीन गुसमाओ वेबिनार में विद्यार्थियों को संबोधित करती हुई।

टेक्नीशियन लाभान्वित हुए और उन्होने इस महत्वपूर्ण बात को जाना कि, सीखते रहने से हमारे ज्ञान और शोध की क्षमता बढ़ती है। प्रोफेसर क्रिस्टीन ने बताया एक प्रोजेक्ट जिसका नाम है, 'लर्निंग नेवर स्टाप' के द्वारा बेसिक स्कूल टीचरों को ओपन सेशन, एजूकेशन इन डिबेट, ग्रुप डिस्कशन के द्वारा बहुत सारे ज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस विपरीत समय में शिक्षकों को मौका मिला शिक्षण के नए-नए तरीके इजाद करने का, प्रयोग करने का और ओपन एजूकेशन देने का।

फीस्टर वेंचर प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और को फाउंडर युवा जतिन सबरवाल ने विद्यार्थियों को सफलता के गुरु मंत्र दिए। उन्होंने अपनी सफलता की कहानी बताते हुए कहा कि मैंने 18 साल कार्पोरेट जगत में खूब काम किया और बड़े पद हासिल किए। लेकिन मैंने बहुत पहले ही अपनी कंपनी खड़ी करने का लक्ष्य बना रखा था।

हलांकि कुछ विलंब से ही मैंने दो साल पहले अपनी कंपनी बनाई और कोविड-19 के शुरुआती दौर में ही असफलता का सामना करना पड़ा।

हम घबराए नहीं और अपने को तेजी से बदला। इसका लाभ यह हुआ कि हमारी कंपनी बहुत जल्दी संकट से उबर कर प्रोफिट की पोजीशन में आ गई।

उन्होंने कहा कि मुझे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम साहब की यह बात बहुत अच्छी लगती है जो उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कही थी कि बड़े पदों पर रहने के बाद भी एक टीचर बनने की इच्छा रखता हूं।

सफल युवा उद्यमी जतिन ने विद्यार्थियों से कहा कि सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें और फिर उसको हासिल करने का प्रयास करें। उन्हें अलीबाबा के मालिक, अर्नाल्ड श्वार्जनेगर का उदाहरण देते हुए कहा कि इन लोगों ने अपने लक्ष्य को हासिल किया क्योंकि वे असफलताओं, आलोचनाओं से घबराए नहीं बल्की दूने प्रयास किये।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने शिक्षकों से तालमेल बनाएं, शिक्षक ही आपको आपका लक्ष्य हासिल कराने में बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया हर हफ्ते, हर घंटे बदल रही है आपको उससे तालमेल बिठाकर कर अपने को कौशलयुक्त करना होगा।

ज्यूम एप और फेसबुक पर हो रहे इस लाइव कार्यक्रम के दूसरे दिन विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस दुबे ने अतिथियों से विद्यार्थियों का परिचय कराते हुए कहा कि हमें उम्मीद है

विद्यार्थी इन विद्वानों के अनुभवों का लाभ अपने जीवन में उठाकर अपना लक्ष्य आसानी से हासिल कर सकेंगे।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान ने अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
www.sanskriti.edu.in
• ENGINEERING • BAMS • HOSPITALITY • AGRICULTURE
• EDUCATION • BUMS • MANAGEMENT • B. PHARM
• LAW • PHYSIOTHERAPY • BIOTECH • D. PHARM
• FASHION • PARA-MEDICAL
RANKED AMONG TOP 15 UNIVERSITY IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE
1000+ Research Papers Published
150+ Patents
1st Incubation Centre Approved By MSME-PPDC in Mathura Dist.
91% PLACEMENT
28 K.M. Stone, Mathura-Delhi Highway, Chhata, Mathura
93585-12345

# संस्कृति विश्वविद्यालय ने आईएसडीसी यूके से एमओयू किया

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय और इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन यूनाइटेड किंगडम ने एक मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते के तहत इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन यूके के द्वारा संस्कृति विश्वविद्यालय के बीबीए और एमबीए पाठ्यक्रम में बिजनेस एनालिटिक्स का अध्यापन सुनिश्चित कराया जाएगा।

ज्ञात हो कि इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन को इंस्टिट्यूट ऑफ एनालिटिक्स (यूनाइटेड किंगडम व्यवसायिक संस्था) के द्वारा डाटा साइंस और एनालिटिक्स के क्षेत्र में समर्थन प्राप्त है। इस एमओयू की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन यूके के द्वारा संस्कृति विश्वविद्यालय के बीबीए और एमबीए, बीसीए एवं बी . टेक. पाठ्यक्रमों में बिजनेस एनालिटिक्स के अध्यापन के बाद छात्रों को इंस्टिट्यूट ऑफ एनालिटिक्स यूके की

एफिलिएट मेंबरशिप्स निर्धारित प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद स्वत: प्राप्त हो जाएगी।

इस समझौते के तहत आईएसडीसी के एक्सपर्ट्स द्वारा डाटा एनालिटिक्स प्रोग्राम के अंतर्गत आर प्रोग्रामिंग, स्टैटिस्टिक्स विथ आर, आर प्रोग्रामिंग, सैस और टेबल्यू, एसक्यूएल, बिग डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया एनालिटिक्स, डीप लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विसन इत्यादि विषयों पर विस्तार से अध्यापन कराया जाएगा।

इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन यूके के साथ हुआ यह एमओयू संस्कृति विश्वविद्यालय के बीबीए और एमबीए के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण और उपयोगी अवसर प्रदान करने वाला है।

विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का ज्ञान और कौशल तो हासिल होगा ही साथ ही इन गूढ़ पाठ्यक्रमों के अध्ययन में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए शिक्षण से सहजता भी होगी।

एमओयू पर संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव पूरन सिंह एवं उप कुलसचिव बीपी शर्मा ने हस्ताक्षर किए तथा आईएसडीसी की ओर से जोनल हेड विकास खोसला और बिजनेस रिलेशनशिप मैनेजर मिस्टर नवीन जोशी ने हस्ताक्षर किया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

# संस्कृति विश्वविद्यालय की वेबिनार में विशेषज्ञ बताएंगे कैसे करें कैरियर विकास

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा कैरियर डवलपमेंट को लेकर एक महत्वपूर्ण वेबिनार का आयोजन सात नवंबर को शाम 5.30 पर किया जाएगा।

जूम एप पर आयोजित होने वाली इस वेबिनार में सभी विद्यार्थियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वेबिनार के मुख्य वक्ता, अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर एनके चड्ढा होंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर चड्ढा की पुस्तक 'कैरियर डवलपमेंट-डिफरेंट वोइस, डिफरेंट चोइस' ने विशेष ख्याति अर्जित की है।

वेबिनार में प्रोफेसर चड्ढा विद्यार्थियों को कैरियर से जुड़ी बारीकियों के बारे में विस्तृत और बारीक जानकारी दें।

★ ★ ★ ★ ★ ★

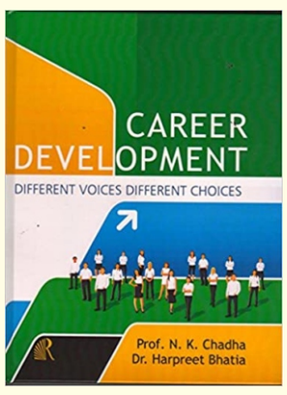

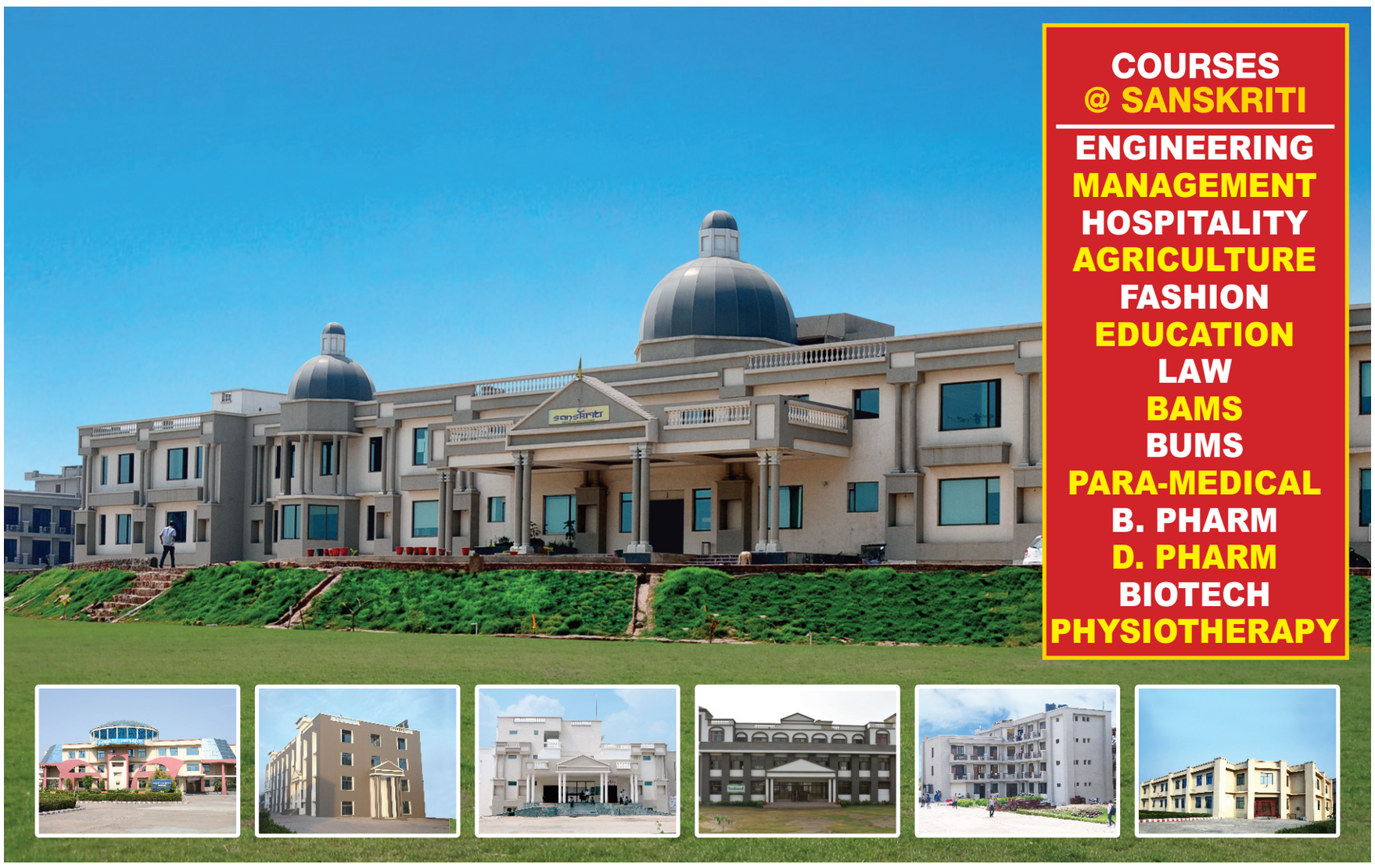


# आत्मरक्षा के लिए जरूरी है अच्छा स्वास्थ और प्रशिक्षण

## संस्कृति विवि में ' 'मिशन शक्ति' ' के तहत हुई वेबिनार में बोलीं मुख्य वक्ता

मथुरा। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए संपूर्ण प्रदेश 'मिशन शक्ति' का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा महिला सुरक्षा और सम्मान के लिए 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत मनाए जा रहे 'विशेष सप्ताह' के तहत आत्मरक्षा विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के माध्यम से मुख्य वक्ता सुश्री रुचि चौधरी ने विद्यार्थियों को विशेषकर युवतियों को अपनी सुरक्षा के लिए सजग रहने की प्रेरणा दी।

साथ ही उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों को भी बताया। मुख्य वक्ता सुश्री रुचि चौधरी ने कहा कि वर्तमान दौर में अपनी सुरक्षा विशेषकर महिलाओं और युवतियों के लिए एक चुनौती बन गया है।

हमारे देश में अधिकांश महिलाएं और युवती अपनी सुरक्षा के प्रति उतनी सजग नहीं रहतीं जितना की उन्हें होना चाहिए। इसका बहुत बड़ा कारण यह है कि वे मानसिक रूप से अपने को कमजोर मानती हैं। बहुत सी महिलाएं प्रशिक्षण के अभाव में अपने ऊपर होने वाले हमले, जबर्दस्ती और दुर्व्यवहार का उचित जवाब नहीं दे पातीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए अपने आप को मानसिक और शारीरिक दोनों स्तर पर मजबूत होना होगा और हर परिस्थिति में डटकर मुकाबला करना सीखना होगा।

वेबिनार के माध्यम से विशेषकर छात्राओं और शिक्षिकाओं को आत्मरक्षा के गुरु बताए गए। मार्शल आर्ट्स का इस्तेमाल कर अपनी सुरक्षा और सामने से होने वाले हमलों का जवाब देना बताया गया। सुश्री रुचि चौधरी ने छात्राओं को बताया कि वे ईव टीजिंग, चौन स्नैचिंग व हमला करने वालों को मुंहतोड़ जवाब कैसे दे सकती हैं।

उन्होंने कहा कि अपने ऊपर होने वाले किसी भी तरह के उत्पीड़न का जवाब देने के लिए महिलाओं, युवतियों को अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा।

जब हम स्वस्थ होंगे तो अच्छी तरह से अपने को प्रशिक्षित कर पाएंगे और जब मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे तो हमारे अंदर मुकाबला करने की और अपने अंदर के डर को भगाने की शक्ति हासिल होगी।

वेबिनार का आयोजन संस्कृति स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड कामर्स के एसोसिएट प्रोफेसर रिजवान आलम द्वारा किया गया। वेबिनार में अनेक विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया।

★ ★ ★ ★ ★ ★

# विद्यार्थी अपने कौशल को नई टेक्नोलाजी से अपडेट रखें

## 'संस्कृति ओरियंटेशन प्रोग्राम- आरंभ-2020'

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के 'ओरियंटेशन प्रोग्राम-प्रारंभ-2020' के पहले दिन मुख्य वक्ता एमेजान इंटरनेट सर्विसेज एजूकेशन प्रोग्राम के प्रमुख अमित नेवतिया ने वेबिनार में उपस्थित विद्यार्थियों को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अपने को तैयार करने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि हर दिन बदल रही टेक्नोलाजी की दुनिया में आप तभी कुछ हासिल कर सकते हैं जब आप अपने कौशल और ज्ञान को समय के साथ अपडेट रख पाएंगे। जूम एप और फेसबुक पर आयोजित हुई इस व्याख्यान श्रंखला में मुख्य वक्ता ने कहा कि जो विद्यार्थी लेटेस्ट टेक्नोलाजी से अपडेट रहेंगे वे किसी भी क्षेत्र में सुगमता से नौकरी हासिल कर सकेंगे।

उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग टेक्नोलाजी की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आज इंडस्ट्री उन विद्यार्थियों में रुचि रख रही है जो कौशल और ज्ञान की द्रष्टि से अपडेट हैं। उन्होंने बताया कि एमेजोन ऐसे अनेक एडवांस कोर्स की आनलाइन सुविधा उपलब्ध करा रही है जो कि पाठ्यक्रमों के साथ विशेष कौशल हासिल कराएगी। यह ज्ञान विद्यार्थियों को निशुल्क दिया जा रहा है। चाहे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग हो, रोबोटिक्स या अन्य कोई पाठ्यक्रम हो इन सभी स्ट्रीम में हर दिन नई टेक्नोलाजी आ रही है।

विद्यार्थियों के लिए इन परिवर्तनों से अवगत रहना ही उनकी योग्यता को निर्धारित करेगा। अमित नेवतिया ने अपने उद्बोधन में डाटा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज की परिस्थितियों में सबकुछ डाटा पर निर्भर है। चाहे निजी क्षेत्र हो या सामाजिक डाटा के उपयोग से ही भविष्य की स्थितियों का अनुमान लगाकर सारी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शोध और नवाचार (इनोवेशन) के महत्व को स्वीकार करते हुए विशेष जोर दिया गया है। भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर ही भविष्य की शिक्षा के पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। वेबिनार में मुख्यवक्ता नेवतिया ने छात्रों की जिज्ञासाओं का अपने अनुभव और ज्ञान से संतुष्टिपूर्ण उत्तर दिया।

वेबिनार में उपस्थित विशेषज्ञ आईसीआरसी- नोरडिक्स के प्रमुख इफ्तिखार द्रबु संस्कृति विवि को इस उपयोगी श्रंखला की शुरुआत के लिए बधाई देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि कोविड-19 के रूप में हम एक ऐसी विभीषिका का सामना कर रहे हैं, जिसका हमारी मानवता ने पहले कभी सामना नहीं किया था।

उन्होंने योग्यता के महत्व को इंगित करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे जो भी कर रहे हैं, पढ़ रहे हैं उसपर अपना ध्यान दें, नया क्या कर सकते हैं, इसको सोचें, नया करने से घबराएं नहीं, अपने पैशन को और एक्सप्लोर करें। उन्होंने कहा कि अपने कौशल को बढ़ाने के लिए नई टेक्नोलाजी से अपने को परिचित कराएं।

विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने अपने उद्बोधन में विवि की सोच और कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि ब्रज क्षेत्र के विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ज्ञान और कौशल के बारे में दुनियाभर के विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाएं और एक नए और सुसंस्कृत भारत का निर्माण करें।

वेबिनार के प्रारंभ में विशेषज्ञ वक्ताओं स्वागत के बाद कुलपति प्रो. सीएस दुबे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को कार्यक्रम के महत्व के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान ने किया।

★ ★ ★ ★

संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चन्द्र शेखर दुबे

# संस्कृति विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर चन्द्र शेखर दुबे ने किया पदभार ग्रहण

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में प्रोफेसर (डा.) सीएस दुबे ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह को विश्वविद्यालय का सीईओ रिसर्च बनाया गया है।

नए कुलपति डा. दुबे का विश्वविद्यालय में आगमन पर विवि के अधिकारियों और शिक्षकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित डा. दुबे दिल्ली विश्वविद्यालय में संचालित कैंपस आफ ओपन लर्निंग के डाइरेक्टर एवं जूलाजिकल विभाग में प्रोफेसर रहे हैं। संस्कृति विवि प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षा में अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है।

वहीं विवि के कुलपति रहे डा. राणा सिंह को बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

वे संस्कृति विवि के सीईओ रिसर्च की जिम्मेदारी संभालेंगे।

★ ★ ★

# टेक्नोलाजी तभी काम करेगी जब हम उसपर विश्वास करेंगे

## संस्कृति विवि वेबिनार में 'ट्रस्ट इन टेक्नोलाजी' पर बोले विशेषज्ञ

मथुरा। संस्कृति विश्विविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रंखला के तहत माइक्रोसोफ्ट इंडिया के जनरल काउंसिल केशव धाकड़ ने वेबिनार में विद्यार्थियों को 'ट्रस्ट इन टेक्नोलाजी' विषय पर बताया कि विश्वास की हर क्षेत्र में बड़ी भूमिका है। टेक्नोलाजी तभी काम करेगी जब हमारा उसपर विश्वास होगा।

उन्होंने कहा कोविड-19 ने सारी दुनियां को अपनी गिरफ्त में लिया हुआ है। कोविड-19 ने हमारी जीवन शैली को हर क्षेत्र में बदल दिया है।

इस बदलती दुनियां में विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण और बड़ी है। जब हम कोविड-19 के असर से वापसी करेंगे तो हमारे विद्यार्थी और प्रभावशाली भूमिका निबाहेंगे।

वेबिनार के मुख्य वक्ता केशव धाकड़ ने 'संस्कृति' का महत्व बताया कि माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने माइक्रोसाफ्ट के साथ संस्कृति को जोड़ा। वैश्विक विद्वानों का कहना है कि इंटरनेट प्लेटफार्म साफ्टवेयर नहीं है, यह विश्वास (ट्रस्ट) है।

उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी के संदर्भ में विश्वसनीय क्लाउड प्रिंसिपल के लिए चार बातें महत्वपूर्ण हैं, प्राइवेसी बाई डिजाइन, कंटीन्यूएस कंपलाइंस, ट्रांसपेरेंसी, रिलाइबिलिटी।

किसी व्यक्ति, संस्थान, सरकार के लिए डाटा की सुरक्षा बहुत जरूरी और आवश्यक है। किसी भी सेवा प्रदाता को उपभोक्ता को यह विश्वास दिलाना पड़ेगा कि, हमारे यहां आपका डाटा सुरक्षित है, आपका डाटा निजी है और आपके कंट्रोल में है, हम आपके डाटा को कानून के तहत प्रयोग करेंगे, आपको यह पता होगा कि हम आपके डाटा का प्रयोग किस लिए कर रहे हैं।

मुख्य वक्ता धाकड़ ने बताया कि सवाल यह नहीं है कि कंप्यूटर क्या कर सकता है, बल्की महत्वपूर्ण यह है कि कंप्यूटर को क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई (आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस) डाटा पर काम काम करती है।

वह मनुष्य से तेज, वृहद परिणाम देती है और विभिन्न क्षेत्रों में उसके प्रयोग से बड़े परिणाम सामने आ रहे हैं। आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस मशीन लर्निंग के कुछ सिद्धांत हैं जिनको जनना जरूरी है, फेयरनैस, सिक्योरिटी, प्राइवेसी, रियल्टीबिल्टी एंड सेफ्टी, इंक्लूसिविटी, ट्रांसपेरेंसी और एकाउंटेबिलिटी। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी के बारे में विद्यार्थियों को बारीक जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 में साइबर अटैकर ज्यादा सक्रिय हुए और उन्होंने बड़े हमले किए। सारे काम जब आनलाइन हो रहे हैं तो ऐसे में हर व्यक्ति को सिक्योरिटी के बारे में जागरूक और सामान्य प्रशिक्षित होना जरूरी हो गया है।

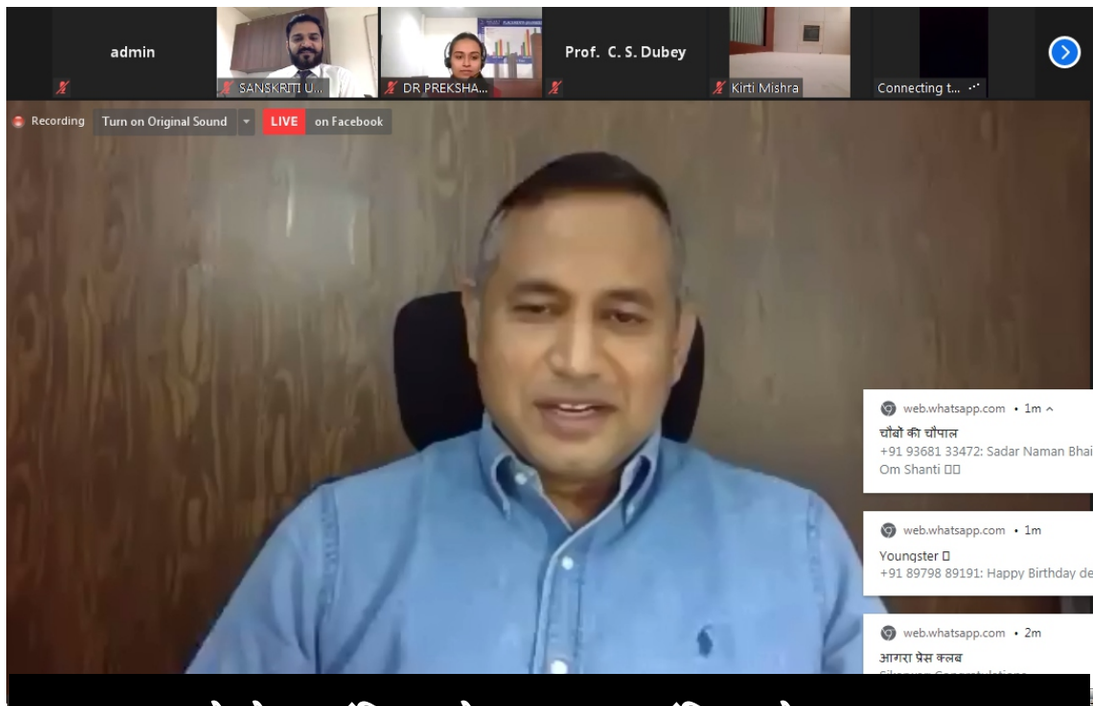

माइक्रोसोफ्ट इंडिया के जनरल काउंसिल केशव धाकड़

वेबिनार के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों के सवालों के उत्तर देते हुए उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

वेबिनार के प्रारंभ में संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस गुप्ता ने मुख्य वक्ता केशव धाकड़ का स्वागत करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी और ब्रज के सभी विद्यार्थी इन विशेषज्ञों के ज्ञान का लाभ अपने कैरियर और कौशल को अपग्रेड करने में उठाएं। यही सोचकर विवि ने इन उपयोगी श्रंखलाओं की शुरुआत की है। अंत में संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान ने मुख्य वक्ता के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

★ ★ ★

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
www.sanskriti.edu.in
B.TECH- CS
(Artificial Intelligence & Machine Learning)
10 interviews Guarantee with Continuous opportunities from our hiring partners
upGrad Semester Certificate Programme Advantage
Recruitment Training
Aptitude Training
Employability Test
Resume Building Sessions
Mock interviews
Get Job Opportunity
Join First-of-its-Kind Corporate
with upGrad
Certificate Programme
Ranked 6th Sanskriti School of Engineering & Information Technology in Private Colleges in Uttar Pradesh, By INDIA TODAY, Best Colleges Ranking 2020
Campus: 28 K. M. Stone, Chhata, Mathura (U.P.) 9690899944 enquiry@sanskriti.edu.in
Toll Free Number 1800 120 2880, Helpline: 9358512345

# महिलाएं अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक बनें

## संस्कृति विवि में 'मिशन शक्ति' के तहत महिला सुरक्षा-सम्मान सप्ताह

मथुरा। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए संपूर्ण प्रदेश 'मिशन शक्ति' का आयोजन किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण वेबिनार में आए वक्ताओं ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। वेबिनार में उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों को 'बालिका सुरक्षा' संबंधी शपथ भी दिलाई गई। वेबिनार में मुख्य वक्ता आईएएस डा. रश्मि सिंह ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके उत्पीड़न को रोकने के लिए अनेक कानून हैं। महिलाओं और युवतियों को इन कानून के प्रति जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवतियों को स्वयं को जागरूक तो बनाना ही चाहिए, साथ ही अपने को कमजोर भी महसूस नहीं करना चाहिए। अगर कोई उनके सम्मान से खिलवाड़ करता है तो उसके खिलाफ कठोर दंड की व्यवस्था है। महिलाओं के प्रति विभिन्न अपराधों की विस्तार से जानकारी देने के साथ उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले ये सभी कृत्य अपराधों की श्रेणी में आते हैं, जिनके तहत शिकायत की जा सकती है और अपराधी को सजा दिलाई जा सकती है। वेबिनार में उपस्थित आईपीएस ध्रुव कांत ठाकुर ने साइबर सुरक्षा, लैंगिक हिंसा, घरेलू हिंसा, पाक्सों एक्ट, महिला हेल्प लाइन नंबर 1090, 108, 102, 112, 181, बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या संबंधी तथा अन्य प्रचलित कानूनों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने वेबिनार में उपस्थित शिक्षकों जो अभिभावक भी हैं उनसे अपेक्षा की कि वे अपने बच्चों को विशेषकर पुत्रों को महिलाओं के प्रति सम्मानजन ष्टिकोण रखने के संस्कार दें। उन्होंने छात्राओं को सशक्त बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार से सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्टों को फारवर्ड करने और स्वयं पोस्ट करने से बचें। उल्लेखनीय है कि नवरात्रि की शुभ तिथियों में महिलाओं और बालिकों की सुरक्षा से जुड़ा यह अभियान चल रहा है। इसके तहत संस्कृति विवि पूरा पखवाड़ा आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा और सम्मान संबंधी शपथ अधिवक्ता रुचि चौधरी द्वारा शपथ दिलाई गई। सोमवार को मनोवैज्ञानिक सतीश कौशिक द्वारा घरेलू हिंसा के बारे में बताया गया। अभियान के तहत डीआईजी उप्र पुलिस शलभ माथुर महिला सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। पखवाड़े में नारा प्रतियोगिता, महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति विशेषज्ञों द्वारा खानपान की जानकारी भी दी जाएगी।

★ ★ ★ ★ ★ ★

# संस्कृति विश्वविद्यालय की स्टार्टअप कंपनी देगी उत्तर भारत को स्वास्थवर्धक उत्पाद

मथुरा। केरल के विश्वप्रसिद्ध शांतिगिरी आश्रम के साथ मिलकर संस्कृति विश्वविद्यालय की स्टार्टअप कंपनी, 'संस्कृति मेडिमिक्स प्राइवेट लिमिटेड' नवमी को लांच होने जा रही है।

पहले चरण में कंपनी उत्तर भारत में शांतिगिरी आश्रम के विश्वभर में लोकप्रिय आयुर्वेद उत्पादों का वितरण करेगी। उच्चकोटि की जड़ी-बूटियों से निर्मित ये औषधियां आनलाइन, दवा विक्रेताओं के काउंटर पर उपलब्ध होंगी।

उल्लेखनीय है कि केरल स्थित शांतिगिरी आश्रम की फार्मेसी द्वारा निर्मित औषधियों में आयुर्वेद के सिद्धातों और फार्मूलों से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाती है अपितु अत्याधुनिक प्लांट में उनके संरक्षण व संवर्धन का पूरा खयाल रखते हुए उपभोक्ता तक उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पाद पहुंचाना ही उद्देश्य रहा है। केरल का पंचकर्म विश्वप्रसिद्ध है। जानकार लोग जानते हैं केरल में निर्मित पंचकर्म चिकित्सा व अन्य रोगों के प्रयोग में की जाने वाली औषधियां व तेल अत्यंत प्रभावशाली व गुणकारी हैं।

संस्कृति विवि के स्थापनाकर्ता भारतीय संस्कृति व धरोहर के विस्तार और ख्याति के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए यहां संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल एवं यूनानी मेडिकल कालेज की नींव रखी गई थी।

इसी प्रयास को आगे बढ़ाते पुराने ऋषि-मुनियों द्वारा देश के प्राचीन मठों तथा आश्रमों में उपचार में प्रयोग होने वाली औषधियों और रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं के व्यापक उत्पादन, प्रचार-प्रसार की योजनाओं को अमली जामा पहनाने की शुरुआत की गई है।

शांतिगिरी आश्रम के विश्वप्रसिद्ध उत्पाद प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोत्तरी करने वाली औषधियां, च्यवनप्राश, बाम, सिरप, जोड़ों

के दर्द को मिटाने वाले तेल आदि अनेक ऐसी आयुर्वेदिक औषधियां हैं जिनके बड़े चमत्कारिक असर पाए गए हैं।

कंपनी अपने पहले चरण में आश्रम में निर्मित इन उत्पादों को पूरे उत्तर भारत में वितरण करेगी और बाद में इनका उत्पादन यहीं संस्कृति आयुर्वेद कालेज की देखरेख में होगा।

इन उत्पादों की सरकारी संस्थानों में भी आपूर्ति की जाएगी। संस्कृति विवि के चांसलर सचिन गुप्ता ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' सपने के तहत यह 'स्टार्ट अप' किया जा रहा है।

सोच यह भी है कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कंपनी के साथ विद्यार्थियों को रोजगार भी दिया जाएगा। आयुर्वेद की दवाइयों के वितरण कार्य में भी आयुर्वेद कालेज के विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा।

★ ★ ★ ★ ★ ★

aws
Microsoft
Online Learning Partner:
greatlearning
upGrad
AWARDED
Most Preferred University with Global Exposure by ASSOCHAM
Ranked Among TOP 15th Universities in India by INDIA TODAY ASPIRE

संस्कृति विवि के ओरियंटेशन प्रोग्राम की जानकारी देते विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस दुबे।

# संस्कृति विवि ही नहीं सारे देश के बच्चे उठाएंगे ज्ञान का लाभ

## विवि द्वारा शुरू किया जा रहा है दो नवंबर से ओरियंटेशन प्रोग्राम

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय दो नवंबर से आनलाइन ओरियंटेशन प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। यह जूम, फेसबुक जैसे प्लेटफार्म पर ब्रज क्षेत्र ही नहीं सारे देश के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगा। पांच नवंबर तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देश और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विषय विशेषज्ञ अपने अनुभवों और ज्ञान से विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाएंगे साथ ही विपरीत समय में अपनी शिक्षा और कैरियर को किस तरह से उन्नत कर सकें इसके बारे में भी विस्तार से प्रकाश डालेंगे। संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस दुबे ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि संस्कृति विश्वविद्यालय का उद्देश्य पूरे ब्रज क्षेत्र के विद्यार्थियों के विकास का है। विवि चाहता है कि क्षेत्र के हर विद्यार्थी के ज्ञान के स्तर में वृद्धि हो। यही सोचकर हमने कार्यक्रमों की लंबी श्रंखला शुरू करने की योजना बनाई है। इसके पहले चरण में जो 2 नवंबर से शुरू होकर पांच नवंबर तक चलेगा, आनलाइन एप्स के माध्यम से अतंर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वानों के लेक्चर होंगे। इन विषय विशेषज्ञों में एमेजान इंटरनेट सर्विसेज के प्रमुख अमित नेवतिया लेटेस्ट टेक्नोलाजी ट्रेंड, आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस के बारे, आईसीआरसी-नार्डिक्स डब्लूएसपी

के प्रमुख इफ्तिखार द्रबु, सफलता के मंत्र, प्रोफेसर क्रिस्टीन गुसमाओ फेडरल युनिवर्सिटी आफ परनाम्बुको, टेक्नोलाजी के बारे में, फीस्टर वेंचर प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं को फाउंडर, सफलता के मत्र, आईपीएस डा. संदीप मित्तल, भविष्य के नेतृत्व, टोक्यो युनिवर्सिटी आफ साइंस जापान के इंटरनेशलन डिवीजन के मैनेजर डा. देवेंद्र नरायण, सफलता के मंत्र समझाएंगे। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि दो नवंबर से हर दिन 40-40 मिनट के दो सत्र होंगे। इन सत्रों में एक-एक विशेषज्ञ का उद्बोधन होगा। इन विशेषज्ञों के लेक्चर का हर विद्यार्थी लाभ उठा सके इसके लिए विश्वविद्यालय युद्धस्तर पर प्रयास कर रहा है। सभी विद्यार्थियों को लिंक भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये विशेषज्ञ वर्तमान में शिक्षण कार्य में आ रही परेशानियों का सामना कैसे करें, अपने कैरियर के उत्थान के लिए क्या कदम उठाएं, विदेशों में शिक्षा कार्य कोविड-19 के चलते किस तरह से चल रहा जैसे विषयों की जानकारी से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

# विद्यार्थी अपनी क्षमताओं में विकास कर पा सकते हैं अच्छी नौकरी

**वेबिनार**

मथुरा। वर्तमान चुनौतीपूर्ण दौर में विद्यार्थियों की सफलता के लिए उन्हें क्या कदम उठाने चाहिए, जैसे ज्वलंत मुद्दे को लेकर संस्कृति विश्वविद्यालय लगातार देशभर के चुने हुए विशेषज्ञों से विद्यार्थियों को रूबरू करा रहा है। इसी क्रम में, 'द फर्स्ट स्टेप टुवार्डस सक्सेस' (सफलता की दिशा में पहला कदम) विषयक एक उपयोगी वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता थे दिल्ली विश्वविद्यालय एसोसिएट प्रोफेसर डा.राकेश कुमार। विद्यार्थियों की क्षमता विकास के उद्देश्य से आयोजित की गई इस वेबिनार में मुख्य वक्ता डा. राकेश कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि वे किस प्रकार से वर्तमान चुनौती भरे माहौल में अपने को बेहतर बनाकर कंपनियों में रोजगार पाने

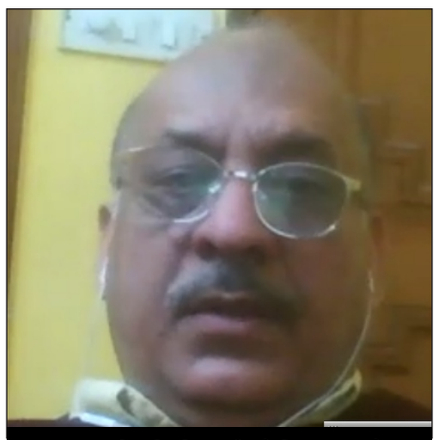

संस्कृति विवि की वेबिनार को संबोधित करते डा. राकेश कुमार।

में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कंपनी में किसी नौकरी के लिए आवेदन करने से ही आपकी क्षमताओं और योग्यताओं का आकलन शुरू हो जाता है। इसलिए जब भी किसी कंपनी में अपना रिज्यूमे दें, तो वह रिज्यूमे बहुत सोच-समझकर तैयार करें। उन्होंने बताया कि एक अच्छा रिज्यूमे कैसा होता है। उन्होंने कहा कि कभी भी रिज्यूमे बहुत बड़ा नहीं होना चाहिए। ऐसे अभ्यर्थी जो पहली बार किसी नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं, उनका एक पेज का रिज्यूमे पर्याप्त है। इस रिज्यूमे में एक ऐसा पासपोर्ट साइज फोटो जिसमें चेहरा स्पष्ट हो न की विभिन्न आदाओं या बहुत ज्यादा फैशनेबल वस्त्रों के साथ खिंचाया गया फोटो, लगाना चाहिए। जन्म तिथि भले ही न लिखी हो, पिता का नाम होना चाहिए। ऐकेडमिक रिकार्ड का विविरण नए से पुराने के क्रम में होना चाहिए। ऐसी ही अनेक उपयोगी जानकारी उन्होंने विद्यार्थियों को रिज्यूमे के संदर्भ में दीं। डा. राकेश ने विद्यार्थियों को बताया कि साक्षात्कार के समय वे कैसा बर्ताव करें, सवाल को समझने के लिए उसे गंभीरता से सुनें, जितना सवाल का उत्तर बनता उतना ही दें। इसके अलावा उन्होंने ग्रुप डिस्कशन के बारे में भी विद्यार्थियों को बारीक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रुप डिस्कशन के दौरान अपनी बात कहने के साथ दूसरों की बात सुनने की भी योग्यता होनी चाहिए। अपनी बात कहने का तरीका बहुत प्रभावशाली और सौम्य होना चाहिए। डा. राकेश ने विद्यार्थियों को सफलता के अनेक गुरुमंत्र बताए और कहा कि आप ऐसे विवि में पढ़ रहे हैं जिसकी सोच ग्लोबल है, वह आपको अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर खड़ा करना चाहता है। संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कासवान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ वेबिनार संपन्न हुई।

★ ★ ★ ★ ★ ★

# संस्कृति विवि और माइक्रोसाफ्ट के मध्य हुआ महत्वपूर्ण एमओयू

मथुरा। विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल विकास के लिए संस्कृति विश्विविद्यालय और माइक्रोसाफ्ट के मध्य एक एमओयू (समझौता) साइन हुआ। समझौते के तहत संस्कृति विवि के विद्यार्थियों को माइक्रोसाफ्ट के विशेषज्ञों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का ज्ञान और कौशल प्रदान किया जाएगा। इस बड़ी पहल को लेकर संस्कृति विवि के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त किया है। संस्कृति विवि के स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष विंसेंट बालू ने जानकारी देते हुए बताया कि एमओयू के अनुसार माइक्रोसाफ्ट संस्कृति विवि के शिक्षक और विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए सहयोग देगा। औद्योगिक इकाइयों के साथ मिलकर विद्यार्थी अपना अध्ययन करेंगे और अपने ज्ञान को बढ़ाएंगे। माइक्रोसोफ्ट के विशेषज्ञ यहां उद्योग आधारित अत्याधुनिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों और फैकल्टी को माइक्रोसाफ्ट कंपनी की ओर से प्रमाणपत्र भी प्रदान किये जाएंगे। यह प्रशिक्षण आनलाइन और आफ लाइन क्लासेज द्वारा दिया जाएगा। बच्चे जो आज इंडस्ट्री में इंटरव्यू फेस नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे बच्चों को माइक्रोसाफ्ट के ट्रेनर बताएंगे कि आज इंडस्ट्री में क्या-क्या डवलपमेंट हो रहे हैं, उसके लिए उनको कौनसी शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने की जरूरत है। ये ज्ञान बदलती औद्योगिक क्षमता से विद्यार्थियों को रूबरू कराएगा और उनके कौशल में विकास करेगा। ऐसा ज्ञान और कौशल पाने के बाद विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में नौकरी पाने या अपना उद्यम खड़ा करने में किसी भी प्रकार की अड़चन नहीं होगी। विंसेट बालू ने बताया कि इस सारी प्रक्रिया को संचालित करने के लिए माइक्रोसाफ्ट कंपनी ने संस्कृति विश्वविद्यालय के लिए अपना एक मैनेजर नियुक्त किया है। माइक्रोसाफ्ट प्रतिनिधि के रूप में प्रियेश वर्मा यहां नियुक्त किए गए हैं। प्रियेश वर्मा पाठ्यक्रम तैयार करेंगे कि विद्यार्थियों को किस ज्ञान की जरूरत है और वह किस तरह से विद्यार्थियों को दिया जाय। कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रम संस्कृति विवि के विद्यार्थियों को पढ़ाए जाएंगे। माइक्रोसाफ्ट कंपनी के प्रशिक्षक संस्कृति विवि के विद्यार्थियों के कैरियर प्लानिंग, पर्सनल प्रोफाइल डवलपमेंट में भी सहयोग करेंगे। माइक्रोसाफ्ट स्टूडेंट एंबेस्डर प्रोग्राम के द्वारा विद्यार्थियों को वैश्विक समुदाय से जुड़ने में मदद मिलेगी, जिससे वे अपने अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व का निर्माण कर सकेंगे। विद्यार्थियों एप बनाने में सक्षम होंगे और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को अच्छे से समझ सकेंगे। इस समझौते के बाद संस्कृति विवि के छात्र अनलिमिटेड स्टडी मैटेरियल डाउनलोड कर पाएंगे, जो उनके ज्ञान को बढ़ाने में सहायक होगा। इस समझौते पर संस्कृति विवि के रजिस्ट्रार पूरन सिंह और माइक्रोसाफ्ट कंपनी के असिस्टेंट जीसी बेन आर्नडार्फ ने हस्ताक्षर कर समझौते को अंतिम रूप दिया। समझौते पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्कृति विवि के कुलपति प्रोफेसर सीएस दुबे ने कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों के कैरियर और स्किल डवलपमेंट के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

★ ★ ★ ★ ★ ★

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

संस्कृति डिग्री कॉलेज

संस्कृति यूनिवर्सिटी (SU)

www.sanskriti.edu.in

Courses

- बैचलर ऑफ आर्टस (बी.ए.)
- बैचलर ऑफ सांइस (बी.एस सी.)
- बैचलर ऑफ लाइब्रेरी (बी.लिब.)
- मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.)
- मास्टर ऑफ आर्टस (एम.ए.)
- मास्टर ऑफ सांइस (एम.एस सी.)
- मास्टर ऑफ लाईब्रेरी (एम.लिब.)

28 कि.मी. स्टोन, नेशनल हाईवे-19, छाता, मथुरा (यू.पी.), मो0 : 7900888556, 7900888557

# संस्कृति विवि की वेबिनार में प्रो चड्ढा ने बताए कैरियर विकास के मंत्र

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा कैरियर डवलपमेंट को लेकर एक महत्वपूर्ण वेबिनार में मुख्य वक्ता, अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर एनके चड्ढा ने विद्यार्थियों को बताया कि वे कैसे अपने आप में परिवर्तन लाएं और अपने आप का विकास करें।

प्रोफेसर चड्ढा ने कहा कि आज पहले से ज्यादा रोजगार के अवसर हैं। जो बच्चे ये सोचते हैं कि उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा या नहीं मिल पाएगा, ऐसे विद्यार्थी अपने आप से सवाल करें कि उन्होंने रोजगार पाने के लिए प्रयास कोन सा किया।

अगर आप ऐसा करते है तो आपको पता चलता है कि आप क्यों रोजगार नहीं पा सके। अनोन वाल्मीकि का उदाहरण देते हुए कहा कि कभी ये नहीं सोचना चाहिए कि में यह नहीं कर सकता, हमेशा यह सोचें कि में यह कर सकता हूं, ऐसा सोचेंगे तो आप ऐसा करने लगेंगे।

उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि कैरियर विकास के लिए पांच बातों पर ध्यान देना जरूरी है, पर्सनैल्टी, इंटरेस्ट, ओरिएंटेशन स्टाइल, अटिट्यूड और इमोंशनल इंटेलिजेंस।

प्रोफेसर चड्ढा ने कहा कि अच्छा रोजगार पाने के लिए बहुत अच्छे नम्बर होना जरूरी नहीं है। आज कंपनीज आपकी नॉलेज और स्किल पर ज्यादा ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा कि चार बातें आपकी सफलता तय करती हैं, स्वयं के प्रति जागरूकता, स्वप्रबंधन, सामाजिक जागरूकता और जनसंपर्क योग्यता।

अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मनोविज्ञानी प्रो चड्ढा।

ये योग्यताएं आपकी रोजगार पाने की छमता को बढ़ाती हैं। इस प्रभावपूर्ण उद्बोधन के बाद उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों को सिलसिलेवार जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। वेबिनार के प्रारंभ में संस्कृति विश्वविदयालय के कुलपति प्रोफेसर सी एस दुबे ने अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए स्वागत किया। वेबीनार के अंत माई संस्कृति स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के डीन सुरेश कसवान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर चड्ढा की पुस्तक 'कैरियर डवलपमेंट-डिफरेंट वोइस, डिफरेंट चाइस में प्रोफेसर चड्ढा विद्यार्थियों को कैरियर से जुड़ी बारीकियों के बारे में विस्तृत और बारीक जानकारी दें।

★ ★ ★

B.TECH-CS
with Artificial Intelligence & Machine Learning

Offering upGrad Semester Certificate Program in Full Stack Devp. which includes
10 Interviews Opportunities

MBA
with Artificial Intelligence & Machine Learning

Offering upGrad Semester Certificate Program in Business Analytics which includes
5 Interviews Opportunities